डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक २९ रविवार ०७ जुलाई से १३ जुलाई २०२४ मूल्य तीन-रुपये

मण्डलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिया निर्देशः लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–बस्ती। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मण्डल स्तरीय अधिकारियों के साथ आयुक्त सभागार में बैठक किया। इस अवसर पर जनपद सिद्धार्थनगर व संतकबीर नगर के विभागीय अधिकारीगण वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े रहें। उन्होने स्कूल चलों अभियान की समीक्षा करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों का नामांकन ससमय कराना सुनिश्चित करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि विद्यालयों में शिक्षको की उपस्थिति ससमय भी सुनिश्चित की जाय। इसके लिए अधिकारीगण विद्यालयों का औचक निरीक्षण भी करें। उन्होने निर्देश दिया कि बच्चों के यूनिफार्म, कापी–किताब समय से उपलब्ध करा दिया जाय।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होने समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालों में समुचित साफ–सफाई सुनिश्चित की जाय, अगर डाक्टरों की कमी है तो स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी के माध्यम से योग्य चिकित्सको की तैनाती की जाय। उन्होने दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने का भी निर्देश दिया।

बाढ से बचाव की समीक्षा करते हुए उन्होने समस्त जनपदों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील/अतिसंवेदनशील तटबंधों की निगरानी रखी जाय। उन्होने कहा कि बाढ़ आने से पूर्व ही समस्त तैयारिया पूर्ण कर ली जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाये। उन्होने कहा कि राहत सामग्री वितरण के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाये। संपर्दश के मामलों में पीड़ित को तत्काल उपचार दिया जाये।

उन्होने वृक्षारोपण महाअभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष पौध रोपण किया जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि पौधों का वितरण जिम्मेदार व्यक्तियों को किया जाय, जो पौधरोपण करने के साथ–साथ इनका देख–भाल कर सकें। उन्होने जनसहभागिता सुनिश्चित कराने हेतु पौधों को गोद लेने को कहा। पौधरोपण करते समय अपने नाम का पट्टिका लगायी जाय और यह प्रण लिया जाय हम इसकी देखभाल करेंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्व वादों का निस्तारण, मुकदमा, पैमाइश की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 1 से 3 वर्ष, 3 से 5 वर्ष व 5 वर्ष से अधिक लम्बित मुकदमों का निस्तारण समयबद्धता के साथ मेरिट के आधार पर किया जाये। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही है, अन्यथा की स्थिति में संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जायेंगी।

उन्होने आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत निर्देश दिया कि अभी से ही कार्ययोजना बना ली जाय। उन्होने कहा कि मोहर्रम में अशत्र–शस्त्र पूर्णता प्रतिबन्ध रहेंगा। मोहर्रम के दौरान जूलुस पर कड़ी निगाह रखे तथा लिखित रूप में अनुमति ले लिया जाय। उन्होने कहा कि नयी परम्परा ना शुरू हो इसका ध्यान रखा जाय। उन्होने कहा कावड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊजाई मानक के अनुसार ही रखी जाय।

उन्होने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाय, पीड़ित के तरफ से एफआईआर दर्ज करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाय। उन्होने महिला सुरक्षा के लिए निर्देशित किया कि भीड़ वाले स्थानों पर वर्दी में तथा बिना वर्दी में पुलिस की तैनाती की जाय। उन्होने पेट्रोलिंग करने का भी निर्देश दिया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देश दिया कि किसानों को समय–समय पर प्रशिक्षण दिया जाय। उन्होने निवेशमित्र, एक जनपद एक उत्पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान की समीक्षा किया। उन्होने कहा कि पात्र उद्यमियों को चिन्हित करते हुए ऋण वितरण किया जाय। उन्होने कहा कि बैंक के साथ बैठक में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाय। अधिक निवेश होने से जनपद की जी.डी.पी. भी बढ़ेगा।

जलजीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देश दिया कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण किया जाय। पाईप डालने हेतु सड़क के किनारे खोदे गये गड्ढे को कार्य समाप्त हो जाने के बाद तत्काल मिट्टी भरायी करा दिया जाय। उन्होने कहा कि सड़को से अतिक्रमण हटाया जाय तथा अवैध टैक्सी स्टैण्ड वसूली ना होने पाये। उन्होने सड़को को गड्ढामुक्त करने का निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिया।

उन्होने मण्डलायुक्त, तीनों जनपद के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि जनता दर्शन में फरियादियों की समस्या को सुने, अगर कोई अधिकारी किसी काम से बाहर रहता है, तो उसके स्थान पर दुसरे अधिकारी को नामित किया जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि समय–समय पर कार्यालयों का निरीक्षण किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को गहनता से सुने तथा उसका निराकरण किया जाय।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को सुना तथा इसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होने आयुक्त परिसर में पौधरोपण भी किया।

बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्य, उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग/जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान, सांसद सिद्धार्थनगर जगदम्बिका पाल व सांसद संतकबीरनगर, विधायक हर्रैया अजय सिंह, महादेवा के दूधराम, सदर के महेन्द्र नाथ यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष बस्ती संजय चौधरी, सिद्धार्थनगर एवं संतकबीर नगर, जिलाध्यक्ष विवेनानन्द मिश्र, अपर पुलिस महानिरीक्षक, मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, आईजी आर.के. भारद्वाज, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, सीडीओ जयदेव सीएस, संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, संयुक्त निदेशक, कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी, सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, जिला, महिला एवं ओपेक कैली अस्पताल के सीएमएस तथा मण्डलीय अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

साहित्य साधना में समर्पित 8 पुस्तकों के रचयिता डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' के योगदान पर विमर्श

संवाददाता–बस्ती। पिछले 5 दशक से साहित्य साधना में समर्पित 8 पुस्तकों के रचयिता और दुमदार दोहों के जनक 72 वर्षीय डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' के रचना संसार और व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रेस क्लब सभागार में गोष्ठी के साथ ही राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य भूषण डा. राम नरेश सिंह मंजुल और संचालन डा. अफजल हुसेन अफजल ने किया। संगोष्ठी में वक्ताओं और कवि, शायरों ने डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को अंग वस्त्र भेंट करने के साथ ही फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया।

साहित्यिक संस्था अदबी संगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं समीक्षक दिनेश सांकृत्यायन ने कहा कि डॉ. जगमग की साहित्य यात्रा स्वंय में विविधता लिये हुये हैं. उनकी कृति 'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' 'बाल सुमन' आदि कृतियों में वे कभी हास्य तो कभी गंभीर दर्शन के रूप में आम आदमी की पीड़ा व्यक्त करते हुये उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। कहा कि इन दिनों वे 'स्वामी विवेकानन्द' पर केन्द्रित महाकाव्य का सृजन कर रहे हैं, निश्चित रूप से उनका साहित्यिक संसार घोर तमस में समाज का पथ पदर्शन करेगा।

कवि एवं चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि डा. जगमग ने जहां स्वयं अनेकों कृतियां समाज को दिया वहीं वे पूर्वान्चल में समर्थ कवियों की पीढी तैयार कर रहे हैं। निश्चित रूप से यह कठिन कार्य है, नई पीढी उनसे बहुत कुछ सीख सकती है। जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष राजेन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि डा. जगमग का रचना संसार जन सरोकारों से जहां सीधा जुड़ा है वहीं उनके कटाक्ष और तीखे व्यंग्य श्रोताओं की जुबान पर चढ़े हुये है। समाजसेवी राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. जगमग का रचना संसार व्यापक है। डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि डॉ. जगमग का जीवन साहित्य को समर्पित है. कवि सम्मेलनों में वे आम आदमी की भावना को सहज रूप में छू जाते हैं। अदबी संगम, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति और विक्रमशील हिन्दी विद्यापीठ भागलपुर द्वारा विभिन्न अंलकरणों से किये गये सम्मान से अभिभूत डा. जगमग ने कहा कि उन्होने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शब्दों में उतार दिया. यह क्रम अनवरत जारी है। कहा कि स्वामी विवेकानन्द पर केन्द्रित महाकाव्य की रचना शीघ्र पाठकों के सम्मुख होगी। नौवी पुस्तक के रूप में 'हम बच्चे भारत की शान' बाल काव्य संग्रह प्रकाशन प्रक्रिया में है। पत्रकार प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं शायर विनोद उपाध्याय ने कहा कि देश विदेश के कवि मंचों पर अनिवार्य स्थान बना चुके डा. जगमग नयी पीढी के लिये साहित्य की पाठशाला हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राम नरेश सिंह 'मंजुल' ने कहा कि डा. जगमग साहित्य के क्षेत्र में नयी पीढी के मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर वी. के. मिश्र, राजेश कुमार, श्याम प्रकाश शर्मा, बटुकनाथ शुक्ल, डा. एल.के. पाण्डेय, फूलचंद चौधरी, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, हरीराम वंसल, जय प्रकाश गोस्वामी, आदि ने डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' के साहित्यिक योगदान के विविध पहलुओं को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित कवि सम्मेलन में डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' डा. अंजना कुमार, पं. चन्द्रबली मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, मशहूर शायर वसीउल हक 'वसी', मकसूद वस्तवी, असद बस्तवी, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक', हरिकेश प्रजापति, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', विनोद उपाध्याय, डा. वी. के. वर्मा, रहमान अली 'रहमान' श्रीमती चन्द्रमती चर्तुवेदी आदि ने रचनाओं के माध्यम से वातावरण को सरस कर दिया। देर तक चले कार्यक्रम में बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

हेमन्त सोरेन की वापसी

जैसी कि संभावना जताई जा रही थी, जेल से बाहर आने के कुछ ही दिनों बाद जेएमएम नेता हेमंत सोरेन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। बुधवार को चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद जिस जल्दबाजी में उन्होंने गुरुवार को शपथ ग्रहण किया, उसे सामान्य नहीं कहा जाएगा। हेमंत सोरेन ही नहीं, जेएमएम का भी कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया गया है और यह कि लोकसभा चुनावों से ऐन पहले झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेजने की जिद के पीछे मंशा यही थी कि राज्य में और विपक्षी गठबंधन इण्डिया को ज्यादा सीटें न मिल सकें। अब जब हाईकोर्ट के आदेश से हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गए हैं तो पार्टी, गठबंधन और सरकार उनके योग्य तथा सक्षम नेतृत्व से क्यों वंचित रहें।

दिक्कत यह है कि कुछ ऐसे सवाल और मुद्दे भी इस मामले से जुड़े हैं जिन्हें फिलवक्त जेएमएम और इण्डिया के नेता अनदेखा कर रहे हैं। एक बड़ा सवाल तो यही है कि क्या एक खास परिवार से बाहर के लोगों का स्थान जेएमएम में 'फिलर' जैसा ही है कि जब जरूरत हो वे किसी का स्थान भरने आ जाएं और फिर जरूरत पूरी होते ही हटा दिए जाएं। जाहिर है, विपक्ष इसे मुद्दा बनाएगा, बल्कि बनाना शुरू कर दिया है। आने वाले विधानसभा चुनावों में इस सवाल की असरदार काट तैयार करना श्रडड के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों को लेकर चाहे कुछ भी कहा जाए, यह एक तथ्य है कि देश की एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कर रही है, जिसका झूठ–सच सामने आना अभी बाकी है। हेमंत सोरेन अभी जमानत पर बाहर आए हैं। खबरें बताती हैं कि ईडी उन्हें मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की सोच रही है। ऐसे में क्या गारंटी है कि सुप्रीम कोर्ट से फैसला उनके खिलाफ नहीं आएगा और दोबारा उनके जेल जाने की स्थिति पैदा नहीं होगी?

सबसे ऊपर है राजनीतिक जवाबदेही का मुद्दा। हेमंत सोरेन पर ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों की सचाई चाहे जो भी हो, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह एक राजनीतिक मामला भी है। जो व्यक्ति राज्य के मतदाताओं द्वारा चुनी गई सरकार का नेतृत्व कर रहा था, उस पर एक राष्ट्रीय एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए। ऐसे में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जमानत पर छूटते ही दोबारा पद पर बैठने के बजाय वह पहले लोगों का फिर से विश्वास हासिल करने पर ध्यान देते, तो न केवल अपना कद ऊंचा करते बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी नई ऊंचाई देते।

हेमंत सोरेन की जेल से वापसी के एक सप्ताह के भीतर घटनाक्रम कुछ इस कदर बदला कि वे सीएम की कुर्सी संभालने के साथ–साथ अपनी रौ में पूरी तरह वापस लौट आए हैं। इससे उनके दल के साथ–साथ गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों में भी उत्साह है। गठबंधन के विधायकों की संयुक्त बैठक में कांग्रेस ने आम सहमति बनाने से लेकर राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करने में हेमंत सोरेन का साथ दिया तो इसकी बड़ी वजह यह है कि विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापस लौटने का दबाव है। हेमंत सोरेन के समक्ष कोई चुनौती नहीं है। गठबंधन पिछले विधानसभा चुनाव की तरह उनके चेहरे को आगे कर ही चुनाव लड़ेगा। उनके फिर से सत्ता संभालने से कांग्रेस में उत्साह की बड़ी वजह लोकसभा चुनाव का परिणाम है। कांग्रेस डबल हो गई, जबकि झामुमो के हिस्से में भी तीन सीटें आई। सभी पांच आदिवासी सुरक्षित सीटों पर कब्जे की एक बड़ी वजह हेमंत सोरेन के जेल जाने से पैदा हुई सहानुभूति को भी माना जा रहा है। ऐसे में हेमंत सोरेन की मौजूदगी आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के दलों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। सत्ता हस्तांतरण में भी कांग्रेस की सक्रियता इसी कारण दिखी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर यहां जमे रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी हर कदम पर हेमंत सोरेन के साथ दिखे। यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने दो कद्दावर नेताओं शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा को जिम्मा सौंपकर गठबंधन को सतर्क कर दिया है। दोनों ने यहां जमीनी स्तर पर काम भी आरंभ कर दिया है। ऐसे में गठबंधन में हेमंत सोरेन के फिर सत्ता संभालकर पूरी तरह एक्शन में आने से गठबंधन में नए उत्साह का संचार हुआ है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इण्डिया गठबंधन झारखण्ड में कितना सफल हो पायेगी।

हाथरस के गुनहगारों पर हो कार्रवाई

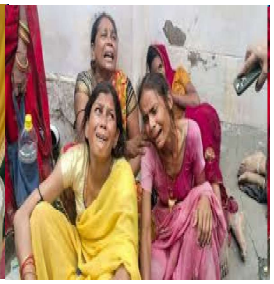

–रोहित माहेश्वरी–

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में कथित 'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत में तबदील हो गया। सत्संग एक स्वयंभू बाबा का था, जिनके श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, अफसर भी शामिल हैं। हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए।

ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है। सवाल यह है कि क्या कथित 'भोले बाबा' और उनके सेवादार आयोजकों के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज किया गया है अथवा कोई संभावना है? मुख्य सेवादार और कुछ अन्य पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 'भोले बाबा' का नाम क्यों नहीं है? बताया जाता है कि करीब 1. 25 लाख की भीड़ सत्संग में आई थी। दूसरा पक्ष 2.5 लाख की भीड़ का दावा कर रहा है। संख्या को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, इलाके के आईजी, डीएम और एसडीएम आदि के अलग–अलग बयान हैं।

सवाल हैं कि यदि स्थानीय प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो क्या पर्याप्त बंदोबस्त देखे गए थे? जल, चिकित्सा, दवाई, डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्रवेश–निकास दरवाजों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था? क्या पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था? एडीजी ने दावा किया है कि मौके पर 40 पुलिस वाले थे। क्या इतनी भीड़ के लिए 40 पुलिस वाले पर्याप्त थे? क्या छोटे से गांव में भीड़ का सैलाब देखकर प्रशासन और पुलिस सतर्क नहीं हुए, लिहाजा बंदोबस्त नहीं किए जा सके।

एसडीएम दफ्तर का कहना है कि 50 हजार की भीड़ बताई गई थी, लेकिन 80 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हमें कार्यक्रम का जो पत्र मिला था, उसमें भीड़ का कॉलम खाली था। राज्य के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के बयान कुछ और ही हैं। प्रशासन के स्तर पर ये विरोधाभास क्यों हैं? आखिर किसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी है? ऐसे धार्मिक और बाबाओं के आयोजनों में लोग आस्था और कष्ट निवारण की भावना से आते हैं। बेशक धर्मगुरु हों, सामाजिक नेता हों, प्रभावी लोग या आयोजक, हजारों–लाखों की भीड़ जुटा कर उन्हें उनके ही हाल पर छोड़ देते हैं। सरकारें और प्रशासन भी इन कथित बाबाओं पर हाथ नहीं डालते।

कोरोना महामारी के दौरान इसी 'भोले बाबा' ने उप्र के फर्रुखाबाद में सत्संग किया था। उसमें भी खूब भीड़ जुटाई गई थी। सरकार और प्रशासन ने उस सत्संग की इजाजत कैसे दे दी थी? घटनास्थल का दृश्य इतना भयावह, हृदयविदारक, विचलित करने वाला था कि एक पुलिस कर्मी रवि यादव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। हम कथित 'भोले बाबा' को बुनियादी गुनहगार मानते हैं। वह और उनके सेवादार तो अस्पताल तक नहीं पहुंचे कि उनके श्रद्धालु जीवित हैं अथवा दिवंगत हो चुके हैं!

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? बताते हैं कि प्रवचन करने वाले बाबा नदारद हैं। कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। लेकिन हकीकत है कि हम पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं।

सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 घंटे में हादसे की रपट मांगी थी। वह उन्हें मिल चुकी होगी! वह खुद घटनास्थल पर पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल–चाल पूछा। हाथरस में भगदड़ के मामले में यूपी पुलिस ने सत्संग के आयोजन में शामिल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। जबकि, एक लाख का इनामी मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर फरार है। योगी सरकार ने हादसे की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस बृजेश कुमार श्रीवास्तव करेंगे। रिटायर्ड आईएएस हेमंत राव और रिटायर्ड आईपीएस भवेश कुमार सिंह आयोग के सदस्य हैं। टीम 2 महीने में जांच पूरी कर रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के सुझाव भी देगी।

बाबा कहां हैं, किसी को कोई जानकारी नहीं। वह कब तक भूमिगत रहेंगे? आखिर प्राथमिकी में उनका नाम क्यों नहीं है? एक इनसान और देश के नागरिक की कीमत 2–4 लाख रुपए नहीं है। मुद्दा और सवाल समुचित व्यवस्था और संवेदनशीलता का है। अंधविश्वास को लेकर हम किसी को कुछ भी राय नहीं दे सकते। आखिर बाबा के पांव की धूल में कौनसा कल्याण निहित है?

वर्तमान युग विज्ञान का है। बच्चों को शुरू से ही चमत्कार और अंधविश्वास से दूर करना होगा। सच्चे साधु संतों का सम्मान और श्रद्धा तो अच्छी बात है, परंतु जादू टोना, और चमत्कार जैसे अंधविश्वास से दूर रहना होगा। संचार के माध्यमों के जरिए ढोंगी बाबाओं की पोल खोलनी चाहिए। फर्जी बाबाओं पर लगाम के लिए प्रशासन के साथ आम जनता को भी सक्रिय होना पड़ेगा। हर भगवाधारी, तिलकधारी या भभूत लगाए हुए आदमी को बाबा मान लेना एवं उसका यशोगान करना ठीक नहीं है। फर्जी बाबाओं से दूर रहना चाहिए। सरकार को फर्जी बाबाओं पर लगाम के लिए कड़ा कानून बनाना चाहिए और सख्त सजा का प्रावधान रखना चाहिए। मीडिया को भी फर्जी बाबाओं के बारे में लोगों को जागृत करना चाहिए।

देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। इसे रोकने को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने भी कुछ गाइड लाइन्स जारी की थी। जिसमें राज्य सरकार, स्थानीय अधिकारियों, प्रशासन व आयोजकों को दिशा–निर्देश दिए गए थे। जिसके लिये भीड़ प्रबंधन से जुड़े लोगों की क्षमता विकसित करने व बेहतर प्रशिक्षण का सुझाव शामिल था। प्रशासन से भीड़ के व्यवहार व मनोविज्ञान का अध्ययन कर भीड़ प्रबंधन की बेहतर तकनीक विकसित करने को कहा गया था। जिसमें तिरुपति मंदिर हेतु आईआईएम अहमदाबाद की व्यवस्था की केस स्टडी भी शामिल थी। पुलिस को भी सख्ती के बजाय अच्छे व्यवहार के लिये कहा गया था। मगर रिपोर्ट का आज भी जमीन पर असर होता नहीं दिख रहा है।

गांधीनगर में मल्टी लेबल पार्किंग सहित सड़क, सीवर निर्माण हेतु पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने मुख्यमंत्री को सौंपा तीन प्रस्ताव

संवाददाता–बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुक्रवार को समीक्षा बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यो के लिये तीन प्रस्ताव सौंपा।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने बताया कि पालिका द्वारा मालवीय रोड के निर्माण, सीवर लाइन और गांधीनगर में मल्टी लेबल पार्किंग कराये जाने हेतु प्रस्ताव और बजट स्वीकृत कराने का आग्रह किया। बताया कि मुख्यमंत्री ने तीनों प्रस्तावों को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया है।

पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने बताया कि नगर पालिका के समुचित विकास के लिये उनके स्तर पर निरन्तर प्रयास जारी है। शहर में साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सड़क, नाली, खण्डजा निर्माण के साथ ही सभासदों से विचार विमर्श कर विकास कार्य तेजी से कराये जा रहे हैं। बताया कि शासन स्तर पर कई प्रस्ताव लम्बित हैं। उनके स्वीकृति के साथ ही और तेजी से विकास कार्य पूरे कराये जायेंगे। मालवीय रोड के निर्माण हेतु प्रयास जारी है और स्टेशन रोड का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करा दियार जायेगा। मुख्यमंत्री को तीन प्रस्ताव सौंपने के दौरान नगर पालिका के कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी सत्येन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे।

हाथरस में पीड़ित परिवारों से मिले राहुल गांधी

हाथरस (आभा)। कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अलीगढ़ के पिलखना आए। यहां उन्होंने हाथरस हादसे के चारों मृतकों के परिवारों से मिलकर सांत्वना दी। राहुल गांधी वहां से हाथरस ग्रीन पार्क पहुंचे, जहां पर पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की।

दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा राहुल गांधी खैर पहुंचे, खैर कांग्रेस कमेटी ने सुभाष चौक पर जोरदार स्वागत किया। वहां के बाद राहुल गांधी अकराबाद के पिलखना गांव पहुंच गए। राहुल गांधी ने हाथरस सत्संग हादसे के चारों मृतकों मंजू पत्नी छोटे लाल, पंकज पुत्र छोटे लाल, प्रेमवती और शांति देवी पत्नी विजय सिंह के घर पर जाकर मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी और घटना को दुखद बताया।

उन्होने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटना के लिये प्रशासन भी जिम्मेदार है।

कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री को उदारता से मुआवजा देने की घोषणा करना चाहिये। उन्होने सत्संग में हुई भगदड़ की घटना के बारे में जानकारी की। राहुल गांधी ने कहा कि मामले को संसद में उठाया जाएगा, कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ है। उनके साथ में कांग्रेस–सपा के पदाधिकारी और स्थानीय नेता मौजूद रहे।

बीएनटी लाइव के नौवें स्थापना दिवस पर पत्रकारिता के दशा– दिशा पर विमर्श

संवाददाता–बस्ती। जन सरोकारों से ही पत्रकारिता सबल होगी। समाज की जिम्मेदारी है कि पत्रकारिता की मजबूती के लिये योगदान दें जिससे पत्रकारिता की धार और धारा सबल हो। पत्रकार ही हमें बताते हैं कि देश समाज में क्या हो रहा है और क्या होना चाहिये। यह विचार वरिष्ठ पत्रकार दिनेश सांकृत्यायन ने व्यक्त किया। वे शुक्रवार को प्रेस क्लब सभागार में बीएनटी लाइव के नौवें स्थापना दिवस पर आयोजित 'डिजिटल युग में पत्रकारिता की दशा–दिशा' संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अनेक साहित्यकारों, समाजसेवियों, पत्रकारों को उनके योगदान के लिये बीएनटी लाइव के सम्पादक राजेश पाण्डेय के संयोजन में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार त्रिभुवन प्रसाद मिश्र एवं संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने किया।

'डिजिटल युग में पत्रकारिता की दशा–दिशा' संगोष्ठी में वी.के. वर्मा ने कहा कि समय के साथ माध्यम बदलेंगे किन्तु हमें जन सरोकारों से जुड़े रहना होगा। पत्रकार राजेन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि पत्रकारों को जन सरोकारों से जुड़ना होगा। उन्हें और अधिक पारदर्शी होना होगा, समाचारों के त्वरित प्रेषण में सावधानी आवश्यक है।

राजकीय कन्या इण्टर कालेज की पूर्व प्रधानाचार्य नीलम सिंह ने कहा कि पत्रकारिता जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। बेगम खैर गर्ल्स इण्टर कालेज की प्रधानाचार्य मुस्लिमा खान ने कहा कि पत्रकारिता त्याग का क्षेत्र है। उन्होने कहा कि बिना सहयोग के पत्रकारिता संभव नहीं है। समाजसेवी अजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि डिजिटल मीडिया ने भारतीय पत्रकारिता को विश्व व्यापी बना दिया है ऐसे में समाचारों के प्रेषण का स्तर बेहतर बनाना होगा। वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने विस्तार के साथ पत्रकारिता के विविध रूपों पर चर्चा करते हुये कहा कि अभिव्यक्ति का माध्यम चाहे जो हो हमें विश्वसनीयता बनाये रखना होगा। संगोष्ठी को त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, अशोक कुमार श्रीवास्तव, आदि ने सम्बोधित किया।

इस अवसर पर जगदीश्वर प्रसाद 'ओम जी' अंकुर वर्मा, डा. वी. के. वर्मा, रामकृष्ण लाल 'जगमग' दिनेश सांकृत्यान, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, बसंत चौधरी, डा. दीनानाथ पटेल, राना दिनेश प्रताप सिंह, अरविन्द पाल, महेन्द्र तिवारी, रियाज अहमद, अशोक श्रीवास्तव, रामसजन यादव, अनुराग श्रीवास्तव, एस.पी. श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, जीशान हैदर रिजवी, रीता पाण्डेय, संध्या दीक्षित, नीलम श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, एल.के. पाण्डेय, मो. आरिफ, ई. वीरेन्द्र कुमार मिश्र, राकेश चतुर्वेदी, संजीव पाण्डेय, शानू एन्टोनी, दयाराम चौधरी, संजय प्रताप जायसवाल, जे.पी. तिवारी, सन्तोष सिंह, महेन्द्र श्रीवास्तव, राघवेन्द्र मिश्र, अभय पाण्डेय, मुस्लिमा खातून, अरूण कुमार, वशिष्ठ पाण्डेय, शकील खान, वकील सिद्दीकी, अखिलेश यादव, तबरेज आलम, मनीष मिश्रा, विजय चौधरी, वृजेश पाण्डेय, उमंग प्रताप सिंह, लवकुश सिंह , अजय कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार पाण्डेय, अमर सोनी, राजेश चित्रगुप्त, राम बाबू श्रीवास्तव, रेखा चित्रगुप्त, मनीष कुमार, रामप्रीत वरूण, ओंकार चर्तुवेदी, कपीश मिश्र, गौहर अली, सरदार गुरमीत सिंह, मुकेश चौधरी, आदि को अंग वस्त्र, प्रमाण–पत्र, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। आभार ज्ञापन सम्पादक राजेश पाण्डेय ने किया, कहा कि जन सरोकारों पर केन्द्रित पत्रकारिता उनका लक्ष्य है। कार्यक्रम में संदीप गोयल, डा. सत्यव्रत, आलोक श्रीवास्तव, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, अरूणेश श्रीवास्तव के साथ ही अनेक समाजसेवी, पत्रकारगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला ब्लाक प्रमुखों का प्रतिनिधि मण्डल

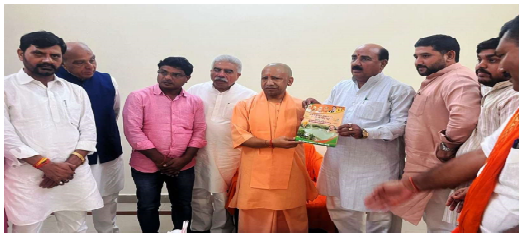

संवाददाता–बस्ती । समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रमुख संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट किया।

प्रमुख संघ के बस्ती मंडल के अध्यक्ष यशकांत सिंह की अगुआई में जिले के सभी प्रमुखों से मुख्यमंत्री ने भेंट किया और उन्हें विकास खंड के समस्यों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन भी दिया। उक्त अवसर पर यशकांत सिंह ने अपने विकास खण्ड रामनगर की प्रगति पुस्तिका मुख्यमंत्री को भेंट किया। इसकी सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये पारदर्शिता लागू करने का प्रयास अनुकरणीय है। सभी को ऐसी प्रगति पुस्तिका बनानी चाहिए।

वन महोत्सव जन अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

संवाददाता–बस्ती। वन महोत्सव जन अभियान के तहत एक जुलाई से सात जुलाई तक पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को परशुरामपुर ब्लॉक के गौरा पाण्डेय में ब्लॉक प्रमुख शान्ति देवी के नेतृत्व में वन क्षेत्राधिकारी हरैया शारदानन्द त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी विनोद कुमार सिंह, थानाध्यक्ष तहसीलदार सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय और ग्रामवासियों द्वारा बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाना चाहिए। वृक्षों के महत्व को समझें साथ ही इस महाअभियान में एक पौधा माँ के नाम पर अवश्य लगायें तथा इसका संरक्षण करें। वन क्षेत्राधिकारी शारदानन्द त्रिपाठी तथा खण्ड विकास अधिकारी विनोद कुमार सिंह ने कहा कि धरती पर जीवन तभी संभव है, जब हरियाली होगी। ऐसे में सभी नागरिकों का उत्तरदायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाएं।

इस अवसर पर संतोष पाण्डेय, राज दत्त शुक्ल, सुनील त्रिपाठी, कौशलाधीश पाण्डेय, हर्ष पाण्डेय, भगवत प्रसाद चौहान, बीपी गौतम, रजनीश पाण्डेय, नवीन पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, अर्जुन पासवान, सूरज पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

कीर स्टार्मर बिट्रेन के नये प्रधानमंत्री

लंदन (आभा)। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक रूप से ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए। ब्रिटेन के ऐतिहासिक आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। 61 साल के लेबर नेता स्टार्मर अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ राजमहल पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले, ऋषि सुनक ने महाराजा से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में 'राष्ट्रीय नवीनीकरण' के एक चरण का वादा किया है। शुक्रवार को सुबह लेबर पार्टी को संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 326 सीटों पर जीत मिल गई।

तराई में चार दिनों में 400 मिमी बारिश रिकार्ड, वज्रपात का खतरा

संवाददाता–बहराइच। तराई के मैदानी इलाकों में मूसलाधार बारिश संग वज्रपात का भी खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। बादलों की गर्जना के समय पेड़ व टिनशेड का सहारा लेने से बचें। इन जगहों पर वज्रपात होने की प्रबल संभावना रहती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसी स्थिति से बचने व समय रहते जानकारी पाने के लिए मोबाइल पर दामिनी एप को डाउनलोड कर लें।

हिमालय की तलहटी में आबाद बहराइच आकाशीय बिजली के हाईरिस्क जोन में शामिल है। आसमान में बादलों की तेज गर्जना संग वज्रपात गिरने का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। समय रहते अलर्ट करने को लेकर कोई व्यवस्था जिला स्तर पर नहीं है। पिछले छह माह में कई लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आकर काल की गाल में समा चुके हैं। अब मानसूनी बारिश के दौरान भी तराई के मैदानी इलाकों में वज्रपात होने की संभावना मौसम विभाग ने जता दिया है।

गुरुवार की रात से ही बादलों में गड़गड़ाहट हो रही है। अब तक 400 मिमी बारिश रिकार्ड की जा चुकी है। हालाकि शुक्रवार को अब तक मानसून सत्र में सर्वाधिक 195 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है। बारिश का क्रम अगले 24 घंटे तक ऐसा ही बना रहने की संभावना मौसम वैज्ञानिक जता रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि वज्रपात का भी खतरा है। इससे बचने के लिए पेड़, टिनशेड से दूरी बनाए रखें। मकानों के अंदर ही रहें, ताकि वज्रपात की स्थिति में बचा जा सके।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एमवी सिंह बताते हैं कि आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए दामिनी एप तैयार किया गया है। इस एप को मोबाइल के प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें। यह कुछ मिनट पहले ही जिस क्षेत्र में हैं, उस क्षेत्र में वज्रपात होने का मैसेज साझा करेगा। पहले जानकारी होने से बचा जा सकेगा। इसको नजरअंदाज न करें, बल्कि ऐसे मौसम में उसे डाउनलोड कर लें।

मोहर्रम पर नहीं डाली जाएगी नई परम्परा, पुलिस को दें जानकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस व्यवस्था में जुट गई है। शांति समिति की बैठक कर लोगों से शांति से त्योहार मनाने की अपील की जा रही है। शुक्रवार को थानों में पीस कमेटी की बैठक कर लोगों से सौहार्द पूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की गई।

कोतवाली भिनगा में उपजिलाधिकारी पियूष जायसवाल की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक की गई। जिसमें एसडीएम ने लोगों से उनकी समस्याएं पूंछी व समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। इसी तरह से क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे की ओर से थाना सिरसिया में शांति समिति की बैठक की गई। जिसमें ताजियादार, धर्मगुरु आदि शामिल हुए। बैठक में सीओ ने लोगों से बातचीत कर आगामी त्योहार मोहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने ताजिया जूलुस के रास्तों के बारे में जानकारी ली। साथ ही शासन के दिशा निर्देशों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान कोई नई परम्परा न चलायी जाय। सभी से शांति व कानून व्यवस्था को बनाएं रखेंगे। कहीं भी गड़बड़ी मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना मल्हीपुर में थानाध्यक्ष जयहरि मिश्रा की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देंगे। कोई भी अराजकता फैलाने व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो पुलिस उसके साथ सख्ती से निपटेगी।

अधिवक्ताओं ने डीएम आवास पर किया जोरदार प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी

संवाददाता–देवरिया। अधिवक्ताओं का आंदोलन जोर पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को आक्रोशित अधिवक्ता कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करने के बाद डीएम आवास पर पहुंच गए। यहां जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। आंदोलन को देखते हुए कलेक्ट्रेट से लेकर जिलाधिकारी आवास तक बड़ी संख्या में फोर्स तैनात रही।

अधिवक्ताओं ने डीएम का दूसरी बार भेजा प्रस्ताव भी गुरूवार को ही नामंजूर कर दिया था। डीएम को हटाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का 16 वें दिन भी धरना–प्रदर्शन जारी रहा। अधिवक्ताओं ने पहले डीएम कार्यालय के सामने नारेबाजी की इसके बाद जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी आवास पर पहुंच गए। आंदोलन को देखते हुए यहां पहले से ही काफी अधिक संख्या में पुलिस मुस्तैद थी। जिलाधिकारी आवास पर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन करने के साथ ही जमकर नारेबाजी की।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरि, जिला कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्र, द कलेक्ट्रेट सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामचीज के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर आंदोलन किया।

आंदोलन में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद्र राव, सुशील कुमार मिश्र, अशोक दीक्षित, विद्यासागर मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरिजेश दूबे, सुरेन्द्र त्रिपाठी, पूर्व सचिव मनोज कुमार मिश्र, प्रेम नारायण मणि, अनिल कुमार सिंह, संजय सिंह, संयुक्त सचिव दिनेश कुमार तिवारी, मनोज तिवारी, शिवकुमार मणि, वरूण तिवारी, मनीष सिंह, वैभव कान्त मिश्र, श्रीराम सिंह, सुरेंद्र मिश्र, अर्जुन यादव, असीम आनंद मिश्र, मनोज मिश्र, विपिन पाठक, अरविंद पाण्डेय, विकास राय, अरूण कुमार राव आदि शामिल रहे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में श्री रंगराघव भगवान को कराया गया जलाधिवास

संवाददाता–अयोध्या। संत शिरोमणि संत गोपाल दास जी महाराज के पूर्ण स्मृति में ऋण मोचन घाट स्थित नवनिर्मित श्री संत गोपाल मंडपम में चल रहे श्री रंगराघव भगवान का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव जगतगुरु स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज किस संयोजन में श्रीकाञ्ची प्रभ. जगद्गुरु गादिस्वामि श्रीनिवासाचार्य जी महाराज काञ्ची पुरी की अध्यक्षता में प्रातः 8 बजे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पूजन के अंतर्गत ,ऋत्विज मानोन्मान– शान्ति–होम पाठ, सातुमरे तीर्थ वितरण किया गया और शाम को नित्य हवन पाठ पूर्णाहुति के बाद श्री रंगराघव भगवान को जलाधिवास–छायाधिवास कराया गया। स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज ने बताया कि देश के कोने–कोने से हजारों की संख्या में शिष्य भक्तगण श्री रंगराघव भगवान की प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित हो रहे हैं जिसमें तपोनिधि सिद्धसन्तवरेण्य ज्योतिर्वेदविद् श्रीस्वामी रामशरणाचार्य जी महाराज अयोध्यापुरी पधारे हैं हम सब उनका आभार व्यक्त करते हैं उन्हीं के साथ पूरे भारत से विद्वज्जन प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अपना आशीर्वचन देने के लिए पधार रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा में श्रीमज्जगद्गुरु स्वामि वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी महाराज ने कहा कि भगवान हमेशा भक्त के बस में रहते हैं और चाहे जितने कारण हो भगवान के अवतार में लेकिन प्रमुख कारण भक्तों को सुख देना ही होता है और जब भक्त हृदय से प्रार्थना करते हैं तब प्रभु अवतार लेते हैं पृथ्वी से पाप को नष्ट करते हैं और अपने भक्तों को सुख प्रदान करते हैं इसीलिए भगवान को भक्त वत्सल भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि जब द्रोपदी धृतराष्ट्र की सभा में असहाय हो गई कोई सहायता करने वाला नहीं था तब उसने माधव को पुकारा और पुकारते ही क्षण मात्र भी नहीं लगा कि भगवान ने क्या बढ़ा दी और भारत में स्त्री मर्यादा की रक्षा की क्योंकि यहां हम माता को देवी मानते हैं उनकी पूजा करते है। कथा के विश्राम बेला में आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया।

दहेज हत्या में पति, सास-ससुर को दस वर्ष की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला जज सूर्य प्रकाश सिंह नेध दहेज हत्या के जुर्म में पति, सास व ससुर को दस–दस वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हर्षवर्धन पांडेय के अनुसार थाना करनैलगंज अंतर्गत ग्राम लोधनपुरवा हरसिंहपुर निवासी मोहर्रम अली ने थाना कौड़िया अंतर्गत ग्राम भगहरिया पूरे मितई तलवा निवासी मोहम्मद नईम , हफीज व कमरजहां के विरुद्ध इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक उसने अपनी पुत्री मोशमाबानो की शादी आरोपी नईम के साथ की थी। ससुराल में उसे दहेज में मोटरसाइकिल व सोने की जंजीर की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे मारकर फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने दहेज हत्या सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित अभियुक्तों को दहेज हत्या करने का दोषी करार दिया। कोर्ट ने तीनों को दस–दस वर्ष की कैद व तीन–तीन हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

झमाझम बरसात में गाजे-बाजे संग निकली पौधों की बारात

संवाददाता–गोण्डा। जिले में 51.99 लाख पौध रोपने के लिए वन महोत्सव की शुरुआत एक जुलाई से हुई है। इसके तहत शुक्रवार सुबह आठ बजे शहर के टॉमसन इंटर कॉलेज से झमाझम बारिश के बीच गाजे–बाजे संग पौधों की बारात निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा और सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने इसमें हिस्सा लिया।

करीब डेढ़ किमी की यात्रा में लोगों के हाथों में रुद्राक्ष, आम, पीपल सहित अन्य प्रजाति के पौधों के साथ रथ पर रखे पौधे बारात की शोभा बढ़ा रहे थे। इसमें एलबीएस, टामसन और रोजवुड इंटर कॉलेज के छात्र शामिल हुए। जिला पंचायत सभागार में पौधों की शोभायात्रा समाप्त हुई। यहां डीएफओ पंकज कुमार शुक्ला ने अतिथियों के साथ कई पौधे रोपित कराए। इस दौरान एसडीओ सुदर्शन, रेंजर गोंडा बद्री प्रसाद चौहान, डिप्टी रेंजर दुर्गेश मिश्रा, अभिषेक प्रताप, अमित वर्मा सहित अन्य वन कर्मी मौजूद रहे।

संगोष्ठी में स्कूली बच्चों को पौधे वितरित किए गए। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा ने कहा कि कहा कि हम लोग एसी की गाड़ी में सफर जरूर करते हैं लेकिन गाड़ी खड़ी करने के लिए पेड़ों के छांव की तलाश करते हैं। इसलिए पेड़ों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी हम सबको उठानी होगी। नवागत डीआईओएस राम चन्द्र ने कहा कि हम लोगों को एसी को भूलना होगा और पेड़ों से नाता जोड़ना होगा, तभी आने वाली पीढ़ी का जीवन सुरक्षित हो सकेगा। इस दौरान उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर, बीएसए अतुल कुमार तिवारी, एलबीएस के मुख्य नियंता आरबी सिंह बघेल, रजनीश सिंह, जग मोहन यादव सहित अन्य मौजूद रहे। डीएफओ पंकज कुमार शुक्ला ने कहा कि इस बार 51.99 लाख पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने सभी से केंद्र सरकार की मुहिम एक पेड़ मां के नाम पर पौधा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गोंडा–अयोध्या, गोंडा–जरवल, गोंडा–बलरामपुर और बहराइच मार्ग के दोनों तरफ एक प्रजाति के पेड़ लगाकर इन सड़कों को अलग पहचान दी जाएगी। डीएफओ ने कहा कि इन सड़कों पर पीपल, बरगद, गूलर, पाकड़ के शुद्ध आक्सीजन देने वाले पौधों को लगाया जाएगा।

बिना आधार व जोतबही के न करें उर्वरक का वितरण –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत नेपाल सीमा पर अवैध उर्वरक बेचने के बारे में डीएम ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक में डीएम ने समय समय पर निरीक्षण कर उर्वरक की उपलब्धता बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही जरूरत अनुसार किसानों को उर्वरक मुहैया कराने को निर्देश दिया। लेकिन नेपाल सीमा पर हो रही तस्करी को देखते हुए बिना जोतबही के खाद न होने का निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने सभी उर्वरक व्यवसायियों व सचिवों को निर्देश दिया कि उचित दर पर किसानों के आधार व जोतबही के अनुसार ही पीओएस मशीन के माध्यम से उर्वरक वितरण करें। जिससे वे टॉप–20 की सीमा में न आएं। यदि किसी उर्वरक विक्रेता की ओर से पीओएस मशीन व जोतवाही के बिना उर्वरक विक्रय किया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया कि पीओएस मशीन के साथ–साथ उर्वरक स्टाक व वितरण रजिस्टर अद्यतन रखें व किसानों को उर्वरक के साथ कोई टैगिंग न करें। बैठक में उप निदेशक कृषि की ओर से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। किसान अपने नजदीकी क्रय केन्द्र से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्वाचार्य महंत अंबरदास महाराज संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता–अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली सिद्ध और भजनानंदी संतों की तपस्थली रही है और उन्हें सिद्ध संतों में रामकोट में स्थित रामकचहरी मंदिर के पूर्वाचार्य महंत अंबरदास जी महाराज भी थे, शुक्रवार को श्रवण आषाढ़ कृष्णपक्ष की अमावस्या तिथि को मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत शशिकांत दास महाराज के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अंबरदास ने अपनी साधना–सिद्धि से इस स्थल को जीवंत किया और उनके अनुयाई सभी धर्म संप्रदाय के लोग थे श्री महाराज जी संत सेवा, गौ सेवा, विद्यार्थी सेवा, मां सरयू की सेवा करते रहते थे और उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए महंत शशिकांत दास महाराज भी आश्रम से जुड़ी सभी सेवाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

महंत शशिकांत दास महाराज ने बताया कि वर्तमान समय से लगभग 300 वर्ष पूर्व श्री महाराज जी ने इस स्थान का जीर्णोद्धार कराया था और ऐसी मान्यता है कि त्रेता युग से प्रभु श्री राम की कचहरी यही लगती थी और यहीं से वह पूरे भारतवर्ष के जनता जनार्दन को न्याय दिया करते थे आज हम लोगों को सौभाग्य है कि इस स्थान पर श्री महाराज जी की पुण्यतिथि मनाने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है जिसमें श्री अयोध्या धाम के ही नहीं बल्कि देश के कोने–कोने से संत महंत श्री महाराज जी की पुण्यतिथि पर पहुंचते हैं और श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। श्रद्धांजलि सभा में पधारे संतों महंतों का स्वागत सत्कार पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास महाराज ने किया। इस अवसर पर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य , जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, श्री राम आश्रम के महंत जयरामदास, श्री हनुमत निवास पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, दंत धवन कुंड के महंत विवेक आचारी, श्री रंग महल के महंत रामशरण दास, हनुमानगढ़ के महंत रामकुमार दास, तुलसी छावनी के महंत जनार्दन दास, डांडिया मंदिर के महंत गिरीश दास, मधुकरिया संत एम बी दास सहित सैकड़ो संतु महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मवन नाले का बांध टूटा, कमर तक पानी में घुसकर डीएम ने लिया जलमग्न फसलों का जायजा

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के कप्तानगंज ब्लाक के भडसर ग्राम सभा के मलगहिया टोला के सामने मवन नाले का बांध टूट गया। इससे चार ग्राम सभाओं के किसानों की 500 से 600 एकड़ में लगी फसल पूरी तरह से डूब गई है। पानी लगातार बढ़ रहा है। अगल–बगल सटे गांव में भी पानी घुसने के आसार बन गए हैं। लोक निर्माण विभाग सिंचाई विभाग व बाढ़ खंड के अधिकारियों को साथ लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कमर भर पानी में घुसकर निरीक्षण किया। तत्काल पानी रोकने के कदम उठाने के आवश्यक निर्देश दिए। डीएम के आदेश के क्रम में संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं। टूटे हुए बंधे का मरम्मत कार्य शुरू हो गया है।

डीएम उमेश मिश्रा ने शुक्रवार को ग्रामीणों से तहसील प्रशासन को मिली सूचना पर अधिकारियों को साथ लेकर मौके पर पहुंच गए। मौके पर खेतों में कमर भर तक पानी भरा हुआ था। डीएम ने पानी की परवाह किए बगैर पैदल पानी भरे खेतों में उतर गए। काफी दूर तक कमर भर पानी में चलकर स्थिति की गंभीरता का आकलन किया। संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने के सख्त निर्देश दिए। डीएम के निर्देश के क्रम में लोक निर्माण विभाग सिंचाई विभाग एवं बाढ़ खंड के अधिकारी बांध टूटे बंधे के दुरुस्तीकरण तथा वैकल्पिक व्यवस्था पर तत्काल प्रभाव से कार्यरत दिखे। मवन नाले का बंधा टूटने से भडसर, नारायण भडसर, कारीतिन तथा आंशिक रूप से सुधियानी गांव के किसानों की 500 से 600 एकड़ रकबे में लगी फसलें जलमग्न हो गयी हैं। डीएम के साथ लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन, तहसीलदार दिनेश कुमार, नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह, राजस्वकर्मी विचित्र मणि त्रिपाठी, दिलीप सिंह, सत्येंद्र मल्ल, राहुल सिंह, मारकंडे गुप्ता, आशुतोष कुशवाहा इत्यादि उपस्थित रहे।

विद्युत महकमा एवं शिक्षा विभाग के नूरा कुश्ती में स्कूलों से नहीं हटे हाई टेंशन तार

संवाददाता–बलरामपुर। विद्युत महकमा एवं बेसिक शिक्षा विभाग की लापरवाही परिषदीय स्कूलों में पढ़ रहे नौनिहालों के लिए बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। विद्यालयों के ऊपर से निकले हाईटेंशन तार कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। एक तरफ सरकार प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ सुरक्षा का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग की नूरा कुश्ती में 657 स्कूलों में हाईटेंशन तार दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। जुलाई 2019 में उतरौला तहसील के प्राथमिक विद्यालय नवानगर में अचानक करंट उतर जाने से 52 बच्चे झुलस गए थे। इस घटना से सबक लेते हुए तत्काल सरकार ने बिजली विभाग को परिषदीय स्कूलों के ऊपर अथवा आसपास से गुजरे हाईटेंशन तारों को हटाने का निर्देश दिया था। विद्युत महकमा ने सिर्फ प्राथमिक विद्यालय नवानगर का हाईटेंशन तार हटाकर अन्य स्कूलों की समस्याओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जो भविष्य में बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। जिले में 1575 प्राथमिक एवं 646 उच्च प्राथमिक स्कूल सहित कम्पोजिट विद्यालय सहित 11 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित है। बीते वर्ष 2019 में उतरौला तहसील के नवानगर प्राथमिक विद्यालय में हाईटेंशन तार से करंट उतरने के कारण 52 बच्चे झुलसने से शासन प्रशासन हरकत में आ गया था। तत्काल 22 बच्चों को उतरौला के साजिदा अस्पताल एवं 29 बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला सहित एक छात्र को चमरूपुर के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। घटना को संज्ञान में लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के स्कूलों के ऊपर एवं आसपास छूते हाईटेंशन तारों को हटवाने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के आदेश आते ही तत्कालीन जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश एवं तत्कालीन बेसिक शिक्षाधिकारी हरिहर प्रसाद ने ऐसे स्कूलों की सूची तैयार कराकर बिजली विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध कराते हुए तत्काल हाई टेंशन तार हटवाने की बात कही थी। आनन–फानन में जिले में 657 विद्यालय चिन्हित किए गए। 29 जुलाई 2019 को तत्कालीन अवर अभियंता सदर जय प्रकाश पाल, हरैया सतघरवा विकास खंड में विकास चंद्र, तुलसीपुर में इंदु शेखर, श्रीदत्तगंज में रितेश पटेल, गैसड़ी में तबरेज खान, पचपेड़वा में कमलेश मिश्रा, उतरौला में संजीव कुमार यादव, गैंड़ास बुजुर्ग में प्रवेश कुमार एवं रेहरा बाजार में रितेश पटेल को खंड शिक्षाधिकारी ने स्कूलों की सूची उपलब्ध कराई गईथी। मौजूदा समय में इनमें लगभग अवर अभियंताओं का अन्य जिले में स्थानांतरण भी हो चुका है, लेकिन आज तक इन विद्यालयों के ऊपर से गुजरे हाई टेंशन तार नहीं हटवाए जा सके। जिले में 657 परिषदीय स्कूलों को हाईटेंशन तार हटाने के लिए चिन्हित किया गया था। इनमें नगर शिक्षा क्षेत्र बलरामपुर एवं उतरौला में 12, सदर शिक्षा क्षेत्र में 28, शिवपुरा में 96, तुलसीपुर में 57, गैसड़ी में 179, गैंड़ास बुजुर्ग उतरौला एवं श्रीदत्तगंज में 56–56, पचपेड़वा में 83 व रेहरा बाजार में 32 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट स्कूलों की सूची तैयार कर बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता को सौंपा गया था। जिसमें सम्बन्धित अधिकारी को चिन्हित स्कूलों से तत्काल हाईटेंशन तारों को हटवाने के लिए कहा गया था। जानकारों की मानें तो कई स्कूल में परिसर अथवा उसके आसपास खुले में ट्रांसफार्मर भी रखे हुए हैं। बिजली महकमा ने सिर्फ प्राथमिक विद्यालय नवानगर में घटना–घटने के बाद तत्काल हाईटेंशन तार को हटवाया, अन्य की स्थिति जस की तस बनी हुई है। जो भविष्य में कभी भी बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकता है। तुलसीपुर तहसील मुख्यालय पर बने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं उसी से सटे प्राथमिक स्कूल तुलसीपुर दक्षिणी में हाईटेंशन तार दोनों स्कूलों के छत को पार कर रहा है।

बीईओ ने बिना मान्यता के संचालित आठ स्कूलों को बन्द कराया

संवाददात–बस्ती। सोमवार से शुरू हुए नवीन सत्र के आरम्भ से ही गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बन्द कराने का अभियान चलाया गया जिसके अन्तर्गत शुक्रवार तक हरैया विकासखण्ड में कुल आठ विद्यालयों को बन्द कराया गया। यह जानकारी देते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा – निर्देश के क्रम में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने का अभियान लगातार जारी है। शुक्रवार तक कुल आठ विद्यालय सीआरडी पब्लिक स्कूल साधूगंज नरायनपुर मिश्र, चंदन मॉडर्न पब्लिक स्कूल रमया, रामकृष्ण एकेडमी केशवापुर, आदर्श सरस्वती विद्या मंदिर लबदहा, किसान मॉडर्न पब्लिक स्कूल केशवापुर, श्याम किशोर कृपा शंकर इंटर कॉलेज औरातोंदा, लाल बहादुर शास्त्री चिल्ड्रन एकेडमी नरायनपुर मिश्र, एक्सीलेंट चिल्ड्रन एकेडमी नरायनपुर मिश्र बन्द कराए गए हैं। बीईओ ने बताया कि बंद कराए गए विद्यालयों को पूर्व में भी नोटिस जारी की जा चुकी थी। स्कूल पर जाकर बंद कराने के बावजूद स्कूल बार–बार संचालित किए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों से निवेदन है कि अपने बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालय, मान्यता प्राप्त विद्यालय तथा वित्तीय सहायता प्राप्त विद्यालय में ही कराएं। यदि आप उक्त कार्य करने में असमर्थ रहे तो आपके बच्चों का भविष्य अंधकारमय होगा। क्योंकि जिन बच्चों की एक बार आईडी जनरेट हो गई उन्हें किसी अन्य कक्षा में बिना टीसी के नामांकित नहीं किया जा सकेगा और जिन बच्चों का नामांकन बिना टीसी के गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय में किया जा रहा है उनका भविष्य खराब होगा।

नवागत बीएसए से मिलकर शिक्षक समस्याओं के समाधान पर दिया जोर

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जिला इकाई प्रतिनिधिमंडल नवागत बेसिक शिक्षाधिकारी शुभम शुक्ला से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए को जिले की कमान संभाले जाने पर बुके भेंट कर स्वागत किया।

साथ ही संघ प्रतिनिधि मंडल ने श्रीदत्तगंज ब्लाक में नवनियुक्त अध्यापिका के मैटरनिटी लीव स्वीकृति पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। संघ मंडलीय महामंत्री अरुण कुमार मिश्रा, जिलाध्यक्ष नवीन सिंह व सचिव उमेश कुमार के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल नवागत बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान संघ पदाधिकारियों से जिलाध्यक्ष ने परिचय कराते हुए शिक्षक समस्याओं से भी अवगत कराया। संघ प्रतिनिधि मंडल ने श्रीदत्तगंज ब्लाक में नवनियुक्त अध्यापिका के मैटरनिटी लीव के स्वीकृति पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। जिसे प्राथमिकता के आधार पर उन्होंने समाधान किया। प्रतिनिधि मंडल ने नवागत बेसिक शिक्षाधिकारी को बुके भेंट का सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री उमेश चंद्र, जिला मंत्री चंद्र प्रकाश यादव, गुरु वचन, आलोक कुमार सिंह, मंडलीय उपाध्यक्ष अशोक कुमार उपाध्याय, मंडलीय संयुक्त मंत्री सुशील सिंह, उपाध्यक्ष अजय सोनकर, संयुक्त मंत्री मनीष कुमार सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष विजय कुमार मिश्रा, संतोष त्रिपाठी, जितेंद्र मिश्रा, अजय कुमार सिंह व धनीराम आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता–बहराइच। बहराइच वन प्रभाग के अब्दुल्लागंज रेंज की ओर से वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें नवाबगंज के ब्लॉक प्रमुख जेपी सिंह ने सिसैइया बीट में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिससे मानव जीवन,जीव–जंतु व पेड़ पौधों पर विपरीत असर पड़ रहा है। हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

जिससे पर्यावरण की सुरक्षा की जा हो सके। रेंज अधिकारी पंकज साहू ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नागरिकों से पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल आने वाली पीढ़ियों का अधिकार है। ये तभी संभव है, जब हम पर्यावरण को संरक्षित करेंगे और अधिक से अधिक पौधरोपण करेंगे। राजेश सिंह ने कहा कि प्रदूषण को कम कर शहर को हरा भरा बनाएं और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उनका संरक्षण करें। ताकि हमारा शहर व जिला हरा भरा रहे।

पुलिस की लापरवाही पर भड़का विश्व हिन्दू महासंघः एसपी कार्यालय के सामने दिया धरना

संवाददाता–बस्ती । पुलिस की लापरवाही के विरोध में गुरूवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह एसपी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गये। उन्होने मांग किया कि मोनू की गुमशुदगी और लाश बरामद होने के बाद उसे लावारिश अंतिम संस्कार कर देने वाले पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के कोपिय गांव का है। सीओ सदर ने विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह को आश्वासन दिया कि 48 घंटे के भीतर प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। इस पर उन्होने धरना स्थगित कर दिया।

धरना दे रहे विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि पुलिस की लापरवाही के कारण एक युवा बेटे का पिता और परिजन अंतिम संस्कार तक नहीं कर पाये। यदि पुलिस ने गुमशुदगी के रिपोर्ट के आधार पर ही छानबीन किया होता तो मोनू के मौत की सूचना परिजनों को मिल जाती।

उन्होने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के कोपिया निवासी हरिनारायण सिंह का लगभग 20 वर्षीय पुत्र मोनू गत 27 जून को दिन में 11 बजे घर से लापता हो गया। परिजनों ने इसकी सूचना 27 जून को ही को इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दिया। पुलिस ने गुमशुदगी 28 जून को दर्ज किया। पुलिस ने मोनू के शव को लावारिश दिखाकर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। परिजनों को जब इसकी सूचना मिली और वे ढूढते हुये पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो बताया गया कि उसका शव पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के चैनपुरवा स्थित रेलवे ट्रेक से बरामद हुआ था। पुलिस ने परिजनों को सूचना तक देना जरूरी नहीं समझा। यह स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है। एसपी कार्यालय पर धरना देने वालों में मृतक मोनू सिंह के पिता हरिरायन सिंह, परिजनों और कोपिया के ग्रामीणों के साथ ही ग्राम प्रधान अवनीश सिंह, बब्बू सिंह, सौरभ सिंह, विश्व हिन्दू महासंघ सौरभ त्रिपाठी, राकेश सिंह, विपिन सिंह, राजकुमार उर्फ मन्टू चौधरी, मुन्ना सिंह, जगत मोहन सिंह, महेश हिन्दुस्थानी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफाईकर्मियों ने सौंपा 16 सूत्रीय ज्ञापन, आर्थिक उगाही, उत्पीड़न बंद करने की मांग

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों और सफाईकर्मियों ने जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सम्बोधित 16 सूत्रीय ज्ञापन उनके प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में मांग किया गया है कि सफाई कर्मियों का उत्पीड़न, आर्थिक दोहन बंद कर जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय और विकास खण्डों में मौखिक और अनियमित तरीके से सम्बद्ध सफाई कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजा जाय।

सौंपे ज्ञापन में सभी सफाई कर्मचारियों को एसीपी का लाभ दिलाये जाने, दिव्यांग सफाई कर्मचारियों को शासनादेश के अनुसार दिव्यांग भत्ता उपलब्ध कराने, डीपीआरओ कार्यालय में कार्यरत कुछ कर्मचारियों की मिली भगत से सफाई कर्मियों का शोषण बंद किये जाने, सफाई कर्मियों से मनमानी वसूली, आर्थिक शोषण बंद कराये जाने, सेवा पुस्तिका, एनपीएस पासबुक को पूर्ण कराते हुये सफाई कर्मियों को अवलोकित कराये जाने, गौर विकास खण्ड में तैनात रहे सफाई कर्मी हरिश्चन्द्र और रामनगर विकास खण्ड में मृतका सोना देवी के परिजनों की नियमानुसार नियुक्ति किये जाने, सफाई कर्मियों की ऑन लाइन उपस्थिति न कराये जाने, वर्षो से जिला मुख्यालय और ब्लाक मुख्यालयों पर तैनात सफाई कर्मियों को उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजे जाने, सफाई कर्मचारियों को सफाई उपकरण किट दिये जाने, महिला सफाई कर्मियों की नियुक्ति तैनाती स्थल से 5 किलोमीटर के दायरे में किये जाने, सामूहिक टीम में डियूटी से मुक्त किये जाने, सफाई कर्मचारियों से छुट्टा मवेशियों को पकड़ने या गौशाला का कार्य न लिये जाने, सफाई कर्मचारियों का पेरोल शासनादेश के अनुसार ग्राम प्रधान द्वारा ही जमा कराये जाने, वंचित सफाई कर्मियों की एसीपी लगाये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने कहा कि सफाई कर्मियों का उत्पीड़न बंद न हुआ तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा। जिला मंत्री मनोज चौहान, कोषाध्यक्ष पेशकार, अमित चक्रवर्ती आदि ने कहा कि सफाई कर्मियों के आर्थिक, मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अशोक कुमार दूबे, बलराम यादव, संजय यादव, रूदल कुमार, जसवन्त कुमार, सूर्य प्रकाश पाण्डेय के साथ ही संघ पदाधिकारी और सफाईकर्मी शामिल रहे।

जिलाधिकारी से मिले भाजपा नेता सुदामाः जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता का लगाया आरोप'

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी नेता व सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा ने नवागत जिलाधिकारी से भेंट कर तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए अधीनस्थों पर जन सामान्य से भी जुड़ी समस्याओं के निष्पादन में शिथिलता का आरोप लगाया ।

उन्होंने डीएम को बताया कि उन्होने महूघाट विशेषरगंज मार्ग पर बसे दर्जनों गांव के सैकड़ों लोगों के साथ तहसील दिवस से लेकर कई बार लिखित शिकायत कर समस्या समाधान तत्काल कराने का मांग किया किन्तु आज तक न तो कोई कार्यवाही नहीं न ही उसकी प्रगति से ही हमें अवगत कराया गया उन्होंने बताया कि भाजपा नेता ने डीएम को बताया कि हमारे गांव से जाने वाले महूघाट विशेषरगंज मार्ग जिसकी क्षमत 25–50टन से अधिक नहीं है उससे होकर 100–200टन के हजारों भारी वाहन टोल बचाने के चक्कर में दिन रात आते जाते रहते हैं जिससे जहां सड़क टूट रही है वहीं इस मार्ग से आने जाने वाले छात्र छात्राओं व ग्रामीणों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है व आये दिन इनके चपेट में आकर लोग चोटिल भी हो जाते हैं । पूर्व में लोगों के मांग पर टोल प्लाजा चौकडी द्वारा हाइवे किनारे बैरियर लगाकर ऐसे वाहनों को रोका गया किन्तु बाद में बैरियर हटा लिया गया जिससे गाड़ियों का आवागमन पुनः शुरू हो गया है। जिसके संदर्भ में बीते 13जून को तहसील दिवस हर्रैया में ज्ञापन के माध्यम से हाइट बैरियर लगाने की मांग की किन्तु कार्यवाही न होंने की दशा में 25जून को डीएम कार्यालय आकर ज्ञापन प्रस्तुत किया किन्तु आज तक कोई कार्यवाही तो दूर पत्र का जबाब तक नहीं मिला है।

उन्होने डीएम को बताया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया द्वारा कर्मचारी सेवा नियमावली के विपरीत बीते दिनों भगवान परशुराम जी के पोस्टर से छेड़छाड़ कर उसे कई शिक्षक ग्रुप में शेयर किया गया था जिसको लेकर भी बीते 27 मई को उपजिलाधिकारी हर्रैया के माध्यम से डीएम सहित अन्य उच्चाधिकारियों को कार्यवाही हेतु पत्र लिखा व ज्ञापन सौंपा था किन्तु उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है।

बताया कि सुरक्षित व सुगम यातायात हेतु लोग टोल शुल्क देते हैं । बस्ती जनपद में तो 38किमी में दो टोल स्थापित है फिर भी हाइवे पर जगह जगह जानलेवा गढ्ढे हैं। आगामी श्रावणमास में कांवर यात्रा को देखते हुए तत्काल लेपन कार्य नितांत आवश्यक है।

श्री पाण्डेय ने मांग किया कि जनहित में उक्त समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित हो अन्यथा की दशा में आक्रोशित जनसमुदाय के साथ हमें आपके कार्यालय का घेराव कर समस्या समाधान न होने तक बैठने को बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में अम्बीश मिश्र, महेन्द्र सिंह, राजबहादुर यादव, अभिषेक चौहान, रणजीत विश्वकर्मा, गिरीशचंद्र उपाध्याय, आशुतोष शुक्ला, कुलदीप शुक्ला,किशन शुक्ला सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हेमन्त सोरेन ने लिया मुख्यमंत्री पद की शपथ

रांची (आभा)। हेमंत सोरेन एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। राजधानी रांची स्थित राजभवन में राज्यपाल ने हेमंत सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई है। राजभवन में आयोजित शपथग्रहण समारोह में हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन भी नजर आए। शिबू सोरेन के अलावा हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में कल्पना सोरेन और राज्य के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भी नजर आए। इसके अलावा कांग्रेस के कई नेता भी राजभवन में शपथ समारोह में नजर आए।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन अब पार्टी में समन्वय समिति के चेयरममैन होंगे। चंपाई सोरेन के इस्तीफे के बाद ही हेमंत सोरेन ने नई सरकार का दावा पेश किया था और वो शपथ लेने के बाद नए सीएम बन गए हैं। अब हेमंत सोरेन अपनी नई कैबिनेट का गठन करेंगे। राजभवन में राज्यपाल ने हेमंत सोरेन को राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई है। शपथ लेने के बाद अब हेमंत सोरेन तीसरी बार राज्य के सीएम बने हैं। उनसे पहले शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा तीन बार सीएम रह चुके हैं।

हाथरस भगदड़ मामले में 6 सेवादार गिरफ्तार

हाथरस (आभा)। हाथरस के सिकंदराराऊ में बीती दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग के बाद हुए हादसे के मामले में गुरुवार को पुलिस ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। साथ ही दो महिलाओं समेत छह सेवादारों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस लाइन में आयोजित पत्रकार वार्ता में आईजी अलीगढ़ मंडल शलभ माथुर ने बताया कि दो जुलाई को सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी पर सूरजपाल उर्फ नारायण हरि भोले बाबा सत्संग कार्यक्रम में भगदड़ मचने से 123 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में सिकंदराराऊ कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत है। इसकी जांच सीओ सिटी रामप्रवेश राय कर रहे हैं। इसी कड़ी में पूछताछ के बाद पुलिस ने राम लडैते यादव (मैनपुरी), मंजू यादव (हाथरस), उपेंद्र सिंह यादव (फिरोजाबाद), मंजू देवी यादव (हाथरस), मेघ सिंह (हाथरस) और मुकेश कुमार (हाथरस) को गिरफ्तार किया गया है।

ये सभी लोग सेवादार है। मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। माथुर ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि श्रद्धालुओं को भोले बाबा के चरण रज लेने के लिए उन लोगों ने अनियंत्रित छोड़ दिया, जिसके चलते हालात बिगड़े। माथुर ने बताया कि पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरफ्तार लोगों का कोई आपराधिक इतिहास तो नहीं है। इस मौके पर डीएम हाथरस आशीष कुमार और एसपी निपणु अग्रवाल भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि दो जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ में अब तक 121 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोग अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आयोजक समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हाथरस में चार घंटे रहकर घायलों से मुलाकात, घटनास्थल का निरीक्षण किया था।

नियमों से हो आरक्षित पदों की भर्ती, कुर्मी महासभा ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को भारतीय कुर्मी महासभा पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि राज्य सरकार के अधीन सभी साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में ओबीसी, एससी, एसटी के लिए आरक्षित पदों को इन्हीं वर्गों के अभ्यर्थियों से भरा जाना अनिवार्य किया जाए। चाहे इसकी नियुक्ति प्रक्रिया कितनी बार करनी पड़े। साथ ही साथ एन.एफ. एस. की प्रक्रिया बार–बार अपनाने तथा आरक्षित पदों को अनारक्षित घोषित करने की व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाई जाए जिससे अभ्यर्थियों में सरकार के प्रति आक्रोश न पनपे।

राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी ने एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन) को प्रथम श्रेणी में पास करके डी.एम. (क्ड) न्यूरोलॉजी की परीक्षा अनारक्षित वर्ग में क्वालीफाई किया। ये सभी परीक्षाएं लिखित होती है। डी.एम. एग्जाम में डा० सर्वेश कुमार चौधरी की टॉप मोस्ट रैंक थी। जब कि डी.एम. एग्जाम में कोई आरक्षण नहीं होता है। उसमें खुली श्रेणी में क्वालीफाई करना पड़ता है। 2024 में एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ में वैकेंसी आई। डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी ने नियमानुसार फॉर्म भरा और इंटरव्यू दिया। जिसका रिजल्ट 25 जून 2024 को आया और उसमें एस.जी.पी.जी.आई. इंटरव्यू कमेटी ने डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी को नॉट फाउंड सुटेबल लिख कर अयोग्य घोषित कर दिया। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि एस.जी.पी.जी.आई. के न्यूरोलॉजी विभाग में एक सीट ओबीसी तथा एक सीट खुली श्रेणी में विज्ञापित थी। डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी अकेले ओबीसी अभ्यर्थी के रूप में इंटरव्यू देने गए थे। कोई दूसरा ओबीसी अभ्यर्थी नहीं था। इसके वावजूद एस.जी.पी.जी.आई. भर्ती बोर्ड के सदस्यों ने बड़े आसानी से डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी को नॉट फाउंड सुटेबल लिखकर अयोग्य घोषित कर दिया। वहीं पर डॉ० सर्वेश कुमार चौधरी से डीएम में कम अंक प्राप्त करने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी का चयन खुली श्रेणी में कर दिया गया। ऐसे कई विभागों में ओबीसी, एससी, एसटी के अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित कर आरक्षण को समाप्त करने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। जिससे अगली बार उन पदों को खुली श्रेणी में विज्ञापित कराकर उन पर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन कर सकें।

ज्ञापन सौंपने वालों में डा. वी.के. वर्मा के साथ प्रदेश संगठन सचिव आर. के. सिंह पटेल, मंडल उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद चौधरी, अरविन्द चौधरी, ई. के.सी. चौधरी, डा. श्याम नरायन, अशोक कुमार चौधरी, डा. आलोक रंजन वर्मा, अशोक वर्मा , इ0 रघुनाथ पटेल, हनुमान प्रसाद चौधरी ,मनसा राम चौधरी , रामदयाल पटेल , सुभाष चौधरी, संतोष कुमार चौधरी, दूधनाथ पटेल, मनीष प्रजापति, रामपूरन,सुभाष, चन्द्र शेखर, दिनेश चौधरी, रितेश चौधरी, शिवप्रसाद चौधरी, अमित चौधरी, सत्य प्रकाश, राम प्रकाश ,रामदयाल चौधरी आदि शामिल रहे।

एसपी ने प्रशिक्षण इकाई का भ्रमण कर लिया जायजा

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रशिक्षण इकाई में यूपी 112 में नामित 24 पुलिस कर्मियों का 15 दिवसीय फ्रेशर प्रशिक्षण चल रहा है। शुक्रवार को एसपी घनश्याम चौरसिया ने प्रशिक्षण इकाई का भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सभी को मन लगाकर प्रशिक्षण लेने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी पुलिस कर्मियों से परिचय प्राप्त कर कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि सभी लोग पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। जिससे पुलिस और जनता में मधुर व्यवहार स्थापित हो सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ट्रेनिंग में दी जाने वाली समस्त जानकारियों को बेहतर ढंग से सीखें, जिससे हर हालात में बेहतर सेवा प्रदान करने में सक्षम बन सकें। प्रभारी निरीक्षक डायल–112 सुधीर सिंह ने ट्रेनिंग सत्र को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला प्रशिक्षण इकाई में यूपी 112 जनपद श्रावस्ती में 24 पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण एक जुलाई से शुरू किया गया है। इस दौरान उन्हें आपातकाल सेवा, आपदा प्रबंधन, फायर संबंधी जानकारी आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

संवाददाता–बस्ती। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत गुरुवार को हरैया बीआरसी से ब्लाक स्तरीय जागरूकता रैली को ब्लॉक प्रमुख केके सिंह और खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली बीआरसी परिसर से निकलकर मोहल्लों का भ्रमण करते हुए पुनः बीआरसी पर आकर खत्म हुई। रैली के दौरान छात्र–छात्राएं अपने हाथों में विभिन्न स्लोगन लिखी दफ्तियां जैसे आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, शिक्षा है अनमोल रतन पढ़ने का तुम करो जतन, कोई न छुटे इस बार शिक्षा है सबका अधिकार आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली के साथ बड़ी संख्या में चल रहे शिक्षक अभिभावकों से अपने परिवार के बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराने की अपील करते हुए चल रहे थे। खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ वर्मा ने परिषदीय विद्यालयों में नामांकन की अपील करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पर्याप्त भौतिक संसाधन उपलब्ध हैं। पर्याप्त कमरे, सभी कमरों में बच्चों को बैठने के लिए डेस्क बेंच, पानी पीने के लिए टंकी एवं बहुटोटियां, स्वच्छ शौचालय, पंखे, स्मार्ट क्लास एवं प्रोजेक्टर की व्यवस्था है। एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर में शिक्षा की अलख जगाई जाय जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

इस अवसर पर राजकुमार तिवारी, रवीश कुमार मिश्र, मनोज द्विवेदी, विजय प्रकाश, सुभाष चन्द्र वर्मा, श्रीकान्त उपाध्याय, सुनील शुक्ल, जगदम्बा दूबे, अरुण दूबे, विश्वजीत, शोभाराम वर्मा, राघवेन्द्र पाण्डेय, हरी सिंह, विजय मिश्र, बृजेश ओझा, विवेक कुमार, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार, निरुपमा तिवारी, मीरा चौधरी, सुधा श्रीवास्तव, वन्दना वर्मा, सुधा वर्मा, आरती गुप्ता, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, राजेश कुमार, महेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

बारिश के कारण पहाड़ी नाले उफान पर, कई गांव जलमग्न

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से कई पहाड़ी नाले पूरी तरह से उफान पर है। हेंगहा पहाड़ी नाले पर परसाहवा,मदारगढ गांव के पास पूर्वी छोर की 250मीटर गाइड बांध टूट गया है। पहाड़ी नाले के उफनाने के साथ ही राप्ती नदी भी लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। हरैया में पहाड़ी नाला धोबनिया स्कूल के पास कटान कर रहा है। वहीं, ललिया व महाराजगंज के गांवों में बाढ़ के कारण समस्या है। करीब दो दर्जन गांव की करीब 30 हजार की आबादी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिले के सदर तहसील के गांव लौकी कला शिक्षा क्षेत्र हरैया सतघरवा तक पहाड़ी नाला धोबनिया का पानी कटान करते हुए पहुंच गया है। ग्राम प्रधान जेके शुक्ल और स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक सिद्धांत मिश्र ने बताया पहाड़ी नाला कटान करते हुए स्कूल के पास पहुंच गया है। इसके बारे में अधिकारियों को बता दिया गया है। ललिया थाना क्षेत्र के परसावां गांव के पास हैंगहा नाले पर बना बांध कई जगह कट गया है। जिसके कारण आसपास के गांव परसहवा और कामदी में बाढ़ का पानी भर गया है। खरझार नाले के दोनों तरफ बना तटबंध रेन कट की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्राम प्रधान तुलाराम यादव ने बताया कि तटबंध मरम्मत का कार्य करवाने की मांग की है। एसडीएम बोले– कटान रोकने के लिए बाढ़ खंड को दी गई सूचना बलरामपुर जिले के तुलसीपुर तहसील के उप जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि कटान रोकने के लिए बाढ़ खंड के अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। तत्काल क्षतिग्रस्त बांध और कटान रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, स्कूल चलो अभियान के लिये निकली जागरुकता रैली

संवाददाता–बस्ती। गुरुवार को स्कूल चलो अभियान के तहत बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय महसो और अन्य क्षेत्रीय विद्यालयों द्वारा सामूहिक रूप से स्कूल चलो अभियान के लिये जागरुकता रैली निकाली गई। ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव और खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली विभिन्न क्षेत्र, कस्बा, मोहल्लों का भ्रमण करते हुए अपने–अपने विद्यालयों को रवाना हुई। जागरूकता रैली में कम्पोजिट विद्यालय महसो, साहूपार के साथ ही अनेक स्कूलों के शिक्षक और छात्रों ने हिस्सा लिया। जागरूकता रैली में ग्राम प्रधान अशोक कुमार वर्मा, एआरपी डा. रामशंकर पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, अविनाश शुक्ल, उमाशंकर, परिणिता, संजना, अनीता वर्मा, प्रवीण पाण्डेय, सुधीर और स्कूली बच्चे शामिल रहे। रैली में छात्र–छात्राएं अपने हाथों में विभिन्न स्लोगन लिखी दफ्तियां जैसे 'आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, शिक्षा है अनमोल रतन पढ़ने का तुम करो जतन, कोई न छुटे इस बार शिक्षा है सबका अधिकार आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली के साथ बड़ी संख्या में चल रहे शिक्षक अभिभावकों से अपने परिवार के बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराने की अपील करते हुए चल रहे थे। खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने परिषदीय विद्यालयों में नामांकन का आग्रह करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। पर्याप्त कमरे, सभी कमरों में बच्चों को बैठने के लिए डेस्क बेंच, पानी पीने के लिए टंकी एवं बहुटोटियां, स्वच्छ शौचालय, पंखे, स्मार्ट क्लास एवं प्रोजेक्टर की व्यवस्था है। एआरपी डा. रामशंकर पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर में शिक्षा की अलख जगाई जाय जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

तहसील दिवस में आने वाली शिकायतों का मौके पर जाकर कराएं निस्तारण -सीआरओ

संवाददाता–बहराइच। मुख्य राजस्व अधिकारी देवेंद्र पाल सिंह ने गुरुवार को तहसील नानपारा में किसानों की समस्या का त्वरित निराकरण के लिए आईजीआरएस, साफ–सफाई सहित अन्य पटलों का निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने तहसील कार्यालय स्थित अभिलेखागार, भूलेख कक्ष, तहसीलदार न्यायालय, पेयजल व्यवस्था व शौचालय का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेख रख–रखाव व अन्य व्यवस्था पर सन्तुष्टि जताई। निरीक्षण के दौरान अधीनस्थों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में आने वाली शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर कराएं। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर पीड़ितों की समस्या का समाधान करें, जिससे शिकायतकर्ता जिलास्तर पर न जाए। इस दौरान सीआरओ ने सबसे अधिक शिकायतकर्ताओं की जानकारी ली। जिसमें आमापोखर निवासी मोहम्मद हनीफ ने जमीन पर कब्जा कर रास्ता बाधित करने की छह बार व बड़गांवा निवासी शेख अली, गुलाम ने पांच बार शिकायत की थी, इन शिकायतकार्ताओं के निस्तारण की स्थिति सम्बंधित कानूनगो जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि रजिस्टर में शिकायतकर्ता का नाम, मोबाइल नम्बर के साथ शिकायतकर्ता का फीड बैक दर्ज अवश्य दर्ज करें।

उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी जन सेवा केन्द्रों को पत्र भेजकर निर्देशित करें कि वह शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर के बिना कोई भी शिकायत पोर्टल पर दर्ज न करें। तहसील में खतौनी में अंश निर्धारण में आ रही समस्या का तत्काल निराकरण करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को त्वरित न्याय मिले।

लेखपालों की ओर से की जा रही समस्या के निराकरण के लिए अधिकारी मौके पर जाकर क्रॉस चेकिंग कर समस्या का निराकरण कराएं जिससे बार– बार लोग शिकायत न करें। तहसील इलाके के किसानों से कहा कि तहसील में ही समस्या के निराकरण के लिए शिकायत करें। तहसील में ही उनकी समस्या का निराकरण होगा।

वृहद वृक्षारोपण के लिये कार्यशाला में विमर्श

संवाददाता–बस्ती। वन विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वृहद वृक्षारोपण 2024 महाअभियान हेतु जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ''पेड लगाओ पेड बचाओं अभियान'' 2024 के अन्तर्गत पौधरोपण एवं उसकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान देकर मानक एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराने का निर्देश दिया। इस अभियान के दौरान रोपित होने वाले पौधों का नियमित रूप से पर्यवेक्षण करते हुए उसकी जीवितता सुनिश्चित कराई जाय, जिन स्थानों पर पांच सौ से अधिक पौध रोपित किये जाने है, उन स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखा जाय। उन्होने कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 2024 के अभियान के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' की शुरूआत अवधारणा को बताते हुए कहा कि सभी नागरिकों को मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड रोपित किए जाने हेतु आम जनमानस को प्रेरित कराकर इस अभियान को सफल बनाया जाय। उक्त कार्यशाला में जिलाधिकारी ने मनरेगा योजनान्तर्गत कराये जाने वाले समस्त कार्यों की मानक के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु वास्तविक कार्य की माप का अंकन माप पुस्तिका में दर्ज करने तथा उच्चाधिकारियों द्वारा कार्यों के सत्यापन के समय उक्त माप

पुस्तिका अनिवार्य रूप से वेरीफाई कराये जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग द्वारा पौध रोपण की जानकारी देते हुए उनकी सुरक्षा के सम्बंध में अपनाई जाने वाले तकनीकी क्रियाकलापों के अनुरूप कार्य कराने हेतु समस्त प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया। क्षेत्रीय अधिकारी, रामनगर सुश्री सोनल वर्मा द्वारा पौधरोपण के समय तकनीकी जानकारी के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्यक्रम अधिकारी, विक्रमजोत सुनील कौशल द्वारा समस्त प्रतिभागियों को इस अभियान के प्रति जागरूक किया गया तथा ग्राम स्तर के सभी अधिकारी व कर्मचारी यथा आंगनवाडी कार्यकत्री, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, शिक्षा मित्र, ए०एम०एम, महिला मेट, समूह की महिलाओं आदि को दस दस पौध को बचाने की जिम्मेदारी देते हुए उन्हे प्रेरित किया जाय। कार्यक्रम में उपस्थित उपायुक्त श्रम रोजगार संजय शर्मा द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत होने वाले पौधरोपण के सम्बंध में समस्त प्रतिभागियों को बताया कि निर्धारित समय सीमा में पौध उठान वन विभाग की नर्सरी से कराते हुए सम्बंधित रोपण स्तर पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था के साथ पौध रोपित कराया जाय। इसी क्रम में गत वर्ष में हुए पौधरोपण का स्थलीय सत्यापन करते हुए जो पौध मृत हो गये है उनके स्थान पर वन विभाग को मांग प्रेषित करते हुए उसका उठान कराते हुए पौध रोपित कराया जाय। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी०एस०, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग जय प्रकाश सिंह, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिह, क्षेत्रीय वनाधिकारी रामनगर सुश्री सोनल वर्मा, सहित सभी विकास खण्डों के कार्यक्रम अधिकारी, सचिव, तकनीकी सहायक, लेखाकार, सहायक लेखाकार, ए०पी०ओ०, पाँच पाँच ग्राम प्रधान व ग्रा०रो०से० तथा वन विभाग के समस्त क्षेत्रीय वनाधिकारी, वन दरोगा, वन रक्षक एवं समस्त नर्सरी प्रभारी उपस्थित रहें।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को बनाएं सफल

संवाददाता–महराजगंज। सीएचसी रतनपुर सभागार में बृहस्पतिवार को अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। आशा और संगिनी से संचारी रेग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया गया। जिला समन्वयक राहुल कुमार सिंह ने बताया कि एक जुलाई से 21 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान कार्यक्रम चलाया जाएगा। 11 से 21 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा।

अभियान में आशा कार्यकर्ता हर घर जाकर संचारी रोग के बारे में लोगों को जागरूक करेंगी। संचारी रोगों के रोकथाम के लिए साफ–सफाई, पेयजल की व्यवस्था, कचरे का निस्तारण, झाड़ियों की साफ–सफाई, कीटनाशक दवा का छिड़काव, संचारी रोगों से ग्रसित लोगों की पहचान कर उनके उपचार की व्यवस्था करें।

बीईओ ने गैर मान्यता वाले दो स्कूलों को कराया बंद

संवाददाता–देवरिया। आरटीई लागू होने के बावजूद गैर मान्यता वाले स्कूलों के चलने से बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ता जा रहा है। उधर, शिक्षा विभाग के तरफ से कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद गैर मान्यता वाले स्कूलों का संचालन जारी है। इसे देखते हुए बीईओ ने कड़ा रुख अपनाया है। गौरीबाजार के दो गैर मान्यता वाले स्कूलों पर पहुंच उसे बंद कराया है।

गौरीबाजार के बीईओ विनयशील मिश्र ने क्षेत्र में संचालित हो रहे दो गैर मान्यता वाले स्कूल पर कड़ी कार्रवाई किया है। गैर मान्यता वाले स्कूल एस.एस.वी. पब्लिक स्कूल करजहीं, श्रीनारायण एकेडमी लवकनी को नोटिस जारी कर तत्काल बंद कराया। पूर्व में कई बार इन स्कूलों को नोटिस दिए के बावजूद संचालित हो रहे थे। शासन के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई किया है। बीईओ विनयशील मिश्र ने बताया कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 18 (1) में बिना मान्यता प्रमाण–पत्र अभिप्राप्त स्कूल संचालित नही हो सकते हैं। इस नियम की अनदेखी कर स्कूल चलाने पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना है। बंद नही करने की दशा में प्रत्येक दिन 10 हजार रुपए जुर्माने की वसूली की जाएगी। सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले बारहवीं तक के सभी छात्रों के लिए पेन नंबर जारी किया है। यह पेन नंबर सरकारी व मान्यता वाले स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को जारी किया जाएगा। यह पेन नंबर प्रत्येक छात्रों की विशेष पहचान होगी।

नए कानून की बुजूर्ग दिग्गज भी कर रहे पढ़ाई, रट रहे धाराएं

संवाददाता–गोरखपुर। तकरीबन 50 साल बाद दीवानी कचहरी में एक बार फिर कानून की किताबों में ताकझांक होने लगी है। अधिवक्ताओं के टेबल पर नजर दौड़ाएं तो कानून की दो तरह की किताबें नजर आती हैं। एक नए तो एक पुराने कानून वाली। वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मानें तो 1973 में नए कानून के लागू होने के बाद भी ऐसे ही हालत थे। हर तख्ते पर दो–दो किताबें। वारदात को लेकर दो तरह की धाराओं का जिक्र। घटना कब की है, दस्तावेज तैयार करने में पीड़ित से सवाल–जवाब। वारदात की जो धाराएं जुबान पर रहती थीं, अब उसके लिए कानून के जानकारों को कानून की किताब का सहारा लेना पड़ रहा है। विज्ञापन वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज शाही के तख्ते पर कुछ फरियादी और तीन–चार जूनियर अधिवक्ता मौजूद थे। अधिवक्ता विनोद कुमार आजाद मारपीट के एक केस से संबंधित कागजात तैयार कर रहे थे। धारा पर आकर अटक गए। सहयोगी से बोले–जरा बीएनएस की किताब में देखो कि नए कानून के तहत कौन सी धारा लगेगी। अब तो बड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। वरना आईपीसी की धारा ही अभी याद है। कानून के विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिवक्ता रमापति शुक्ल बताते हैं –1968 में कानून में बदलाव हुआ था। उस दौरान मेरी प्रैक्टिस करीब पांच साल की थी। कुछ दिनों तक परेशानी होती है। हम लोगों ने कानून की किताब का पूरा अध्ययन किया था। आज नए अधिवक्ताओं को भी चाहिए कि वे नए कानून को पहले पढ़ें। चुनौतियां तो आती हैं पर धीरे–धीरे अभ्यास में आ जाएगा। अधिवक्ता कृष्ण दीपक ने कहा कि अचानक हुए बदलाव के कारण इसे रट पाना आसान नहीं होगा। कागजात तैयार करते समय अभी आईपीसी की धारा ही लिख दे रहा हूं। यह गलती होने की वजह से बार–बार नए पेपर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। अभी एक प्रार्थनापत्र बनाना था, उसमें पुरानी धारा का उल्लेख हो गया था, जबकि घटना दो जुलाई की थी। फिर प्रार्थनापत्र फाड़कर दूसरा लिखना पड़ा। तभी वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज शाही आए, उन्होंने प्रार्थनापत्र को दोबारा चेक किया। इसके बाद उसे आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि कानूनी काम में लिखा–पढ़ी में छोटी–छोटी बातों का ध्यान देना पड़ता है। कहीं गलती हो जाए तो केस पर उसका असर पड़ता है। दोपहर दो बजे के करीब दीवानी कचहरी में लंच हुआ था। अधिकतर अधिवक्ता उस समय कैंटीन में चाय–नाश्ते के साथ बीएनएस पर ही चर्चा करते दिखे। व वरिष्ठ अधिवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मैंने कानून की पढ़ाई पूरी कर 1987 में वकालत शुरू की। मेरे सीनियर बताते थे कि जब 1973 में कानून में संशोधन हुआ था, तब भी बहुत असमंजस जैसी स्थिति थी। हालांकि, उस समय आंशिक संशोधन ही हुआ था।

कार्य वाले चिकित्सक–कर्मचारी जिले में रहेंगे, न करने वाले करा लें ट्रांसफर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नवागत डीएम डॉ. राजागणपति आर की मौजूदगी में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में अधिकारियों–कर्मचारियों को पसीना आ गया। चार घंटे तक चली बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य कार्यक्रम के एक–एक बिंदुओं पर जानकारी हासिल की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कार्य करने वाले चिकित्सक–कर्मचारी जनपद में रहेंगे। काम न करने वाले दूरस्थ जिलों में स्थानांतरण करा लें।

उन्होंने पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत मौर्य की जिम्मेदारी तय करते हुए अल्ट्रासाउंड सेंटर्स को कार्यक्रम से जोड़ने की नसीहत दी। डीएम की एक बात चर्चा का विषय बना है कि हम संविदाकर्मियों को भर्ती करना जानते हैं, निकालने की प्रक्रिया क्या है। डीएम ने यह बात कहकर भगौड़े कर्मियों की ओर बड़ा इशारा कर दिया है। डीएम को बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती की जांच कराई जाती है। जांच में विभाग की ओर से निरूशुल्क अल्ट्रासाउंड सुविधा दी जाती है, लेकिन जनपद में सिर्फ 15 जुड़े निजी अल्ट्रासाउंड के जरिए यह सेवा मिल पा रही है, जबकि जनपद में 46 सेंटर्स पंजीकृत हैं। डीएम ने पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत मौर्य से साफ तौर पर कहा है कि सभी पंजीकृत निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर्स हर हाल में मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम पीएमएसएमए से जुड़ जाएं। इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वाकार्य नहीं है। मिठवल व बेंवा (डुमरियागंज) में सीजेरियन डिलिवरी कम होने पर नाराजगी जाहिर की। मिठवल में अधीक्षक डॉ. राम निवास, बेंवा में डॉ. रेखा सिन्हा व डॉ. विकास चौधरी बतौर स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के बाद भी ऑपरेशन कम होने पर डांट लगाया। उन्होंने कहा कि बेंवा में दो विशेषज्ञ होने के बाद भी सिर्फ सात ऑपरेशन कार्यशैली पर सवाल है। इसे सुधार लें। उन्होंने स्वास्थ्य समिति की बैठक से डाटा इंट्री ऑपरेटर को मुक्त कर दिया है। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम व बैम को रहने का निर्देश दिया है। डीएम ने सीएमओ, जिला लेखा प्रबंधक (डैम) व ब्लॉक लेखा प्रबंधक (बैम) का भुगतान के मामले में जवाबदेही तय कर दी है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि आशा भुगतान, जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), टीबी रोगियों का भुगतान समय से कर दिया जाए। इसमें लेटलतीफी, लापरवाही होने पर इन्हीं तीनों की जवाबदेही होगी। डीएम ने अधिक्षकों से कहा कि सिर्फ कार्यक्रम का लक्ष्य पूरा कर देने से काम नहीं चलेगा। इसे और बेहतर करने का प्रयास करें। चिकित्सक कार्यशैली को बेहतर कर लें। इसमें लापरवाही बिल्कुल न करें।

पांच अगस्त के बाद माध्यमिक स्कूलों में नहीं होंगे नामांकन

संवाददाता–संतकबीरनगर। परिषद ने शैक्षिक सत्र 2024–25 में कक्षा नौवीं और 11वीं में प्रवेश से लेकर पंजीकरण की समय सारिणी जारी कर दी है। जिले के 280 माध्यमिक स्कूलों में नौवीं और 11वीं में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में प्रवेश एवं पंजीकरण के लिए पांच अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इसके बाद माध्यमिक स्कूलों में नामांकन प्रक्रिया बंद हो जाएगी माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने निर्देश दिए है कि जिन विद्यालयों ने 10वीं में कंपार्टमेंट की परीक्षा दी है। उनका पंजीकरण 20 अगस्त तक किया जा सकेगा। प्रत्येक विद्यार्थी को पंजीकरण शुल्क के रूप में 50 रुपया जमा करने होंगे। वहीं इस शुल्क को प्रधानाचार्य को 25 अगस्त तक कोषागार में जमा करना होगा। उसके बाद में पंजीकृत विद्यार्थियों के आवेदनों की जांच 26 अगस्त से पांच सितंबर तक आवेदनों को यूपी बोर्ड की बेवसाइट पर अपलोड करना होगा।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय

मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com